



Haryana Government Gazette

EXTRAORDINARY

Published by Authority

© Govt. of Haryana

No. 128-2024/Ext.] CHANDIGARH, WEDNESDAY, AUGUST 21, 2024 (SRAVANA 30, 1946 SAKA)

हरियाणा सरकार

नागरिक संसाधन सूचना विभाग

अधिसूचना

दिनांक 21 अगस्त, 2024

संख्या 2/6/2024-1क्रिड.- हरियाणा परिवार पहचान अधिनियम, 2021 की धारा 16 की उपधारा (1) और (2) के साथ पठित, हरियाणा परिवार पहचान अधिनियम, 2021 (2021 का 20) की धारा 45 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, हरियाणा परिवार पहचान प्राधिकरण (ग्रुप ग) सेवा में नियुक्त व्यक्तियों की भर्ती और सेवा की शर्तों को विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:-

भाग I सामान्य

| | | | |
|-----------------------------|----|-----|--|
| संक्षिप्त नाम तथा प्रारंभ । | 1. | (1) | ये नियम हरियाणा परिवार पहचान प्राधिकरण (ग्रुप ग) सेवा नियम, 2024 कहे जा सकते हैं । |
| | | (2) | ये नियम राजपत्र में इनके प्रकाशन की तिथि से लागू होंगे । |
| परिभाषाएं । | 2. | (1) | इन नियमों में, जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,- (क) 'अधिनियम' से अभिप्राय है, हरियाणा परिवार पहचान अधिनियम, 2021 (2021 का 20); (ख) 'परिशिष्ट' से अभिप्राय है, इन नियमों से संलग्न परिशिष्ट; (ग) 'आयोग' से अभिप्राय है, हरियाणा लोक सेवा आयोग; (घ) 'सीधी भर्ती' से अभिप्राय है, कोई भी नियुक्ति, जो सेवा में से पदोन्नति या भारत सरकार या किसी राज्य सरकार की सेवा में पहले से ही लगे किसी अधिकारी के स्थानान्तरण / प्रतिनियुक्ति से अन्यथा की गई हो; (ङ) 'संस्था' से अभिप्राय है; (i) हरियाणा राज्य में लागू विधि द्वारा स्थापित कोई संस्था; या (ii) इन नियमों के प्रयोजन के लिए भारत सरकार या किसी राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त कोई अन्य संस्था; (च) 'मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय' से अभिप्राय है,- (i) भारत में विधि द्वारा निगमित कोई विश्वविद्यालय; या (ii) कोई अन्य विश्वविद्यालय जिसे भारत सरकार या किसी राज्य सरकार द्वारा इन नियमों के प्रयोजन के लिए मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय घोषित किया गया हो; (छ) 'सेवा' से अभिप्राय है, हरियाणा परिवार पहचान प्राधिकरण (ग्रुप ग) सेवा । |
| | | (2) | इन नियमों में प्रयुक्त किन्तु अपरिभाषित शब्दों तथा अभिव्यक्तियों के वही अर्थ होंगे जो उन्हें अधिनियम में दिए गए हैं । |

भाग II सेवा में भर्ती

| | |
|--|--|
| <p>3. सेवा में इन नियमों के परिशिष्ट 'क' में दर्शाए गए पद समाविष्ट होंगे:</p> <p>परन्तु इन नियमों की कोई भी बात ऐसे पदों की संख्या में वृद्धि या कमी करने या विभिन्न पदनामों और वेतनमानों वाले नए नियमित पद बनाने के राज्य सरकार के अन्तर्निहित अधिकार पर प्रभाव नहीं डालेगी।</p> | <p>पदों की संख्या तथा उनका स्वरूप।</p> |
| <p>4. (1) कोई भी व्यक्ति सेवा में किसी भी पद पर तब तक नियुक्त नहीं किया जाएगा, जब तक वह निम्नलिखित न हो,—</p> <p>(क) भारत का नागरिक; या</p> <p>(ख) नेपाल की प्रजा; या</p> <p>(ग) भूटान की प्रजा :</p> <p>परन्तु प्रवर्ग (ख) या (ग) से सम्बन्धित किसी प्रवर्ग का व्यक्ति, ऐसा व्यक्ति होगा, जिसके पक्ष में भारत सरकार द्वारा पात्रता का प्रमाण—पत्र जारी किया गया हो।</p> <p>(2) कोई भी व्यक्ति, जिसकी दशा में पात्रता का प्रमाण—पत्र आवश्यक हो, उसे आयोग या किसी अन्य भर्ती प्राधिकरण द्वारा संचालित परीक्षा या साक्षात्कार के लिए प्रविष्ट किया जा सकता है, किन्तु नियुक्ति का प्रस्ताव केवल उसे भारत सरकार द्वारा पात्रता का आवश्यक प्रमाण—पत्र जारी किए जाने के बाद ही दिया जा सकता है।</p> <p>(3) कोई भी व्यक्ति, सेवा में किसी पद पर सीधी भर्ती द्वारा तब तक नियुक्त नहीं किया जाएगा, जब तक वह अपने अन्तिम उपस्थिति के विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, विद्यालय या संस्था, यदि कोई हो, के प्रधान शैक्षणिक अधिकारी से चरित्र प्रमाण—पत्र और दो ऐसे अन्य जिम्मेवार व्यक्तियों से, जो उसके संबंधी न हों, किन्तु उसके व्यक्तिगत जीवन में उससे भली-भांति परिचित हों, और जो उसके विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, विद्यालय, या संस्था से संबंधित न हों, उसी प्रकार के प्रमाण—पत्र प्रस्तुत न करें।</p> | <p>सेवा में नियुक्त किये गए उम्मीदवारों की राष्ट्रीयता, अधिवास तथा चरित्र।</p> |
| <p>5. आयोग को आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि पर किसी भी व्यक्ति को सीधी भर्ती द्वारा सेवा में किसी भी पद पर नियुक्त नहीं किया जाएगा, जिसकी आयु अठारह वर्ष से कम या बयालीस वर्ष से अधिक हो:</p> <p>परन्तु सरकार द्वारा, समय—समय पर, निर्धारित विभिन्न प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए ऊपरी आयु सीमा में छूट स्वीकार्य होगी।</p> | <p>आयु।</p> |
| <p>6. सेवा में पदों पर सभी नियुक्तियाँ मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा की जाएंगी।</p> | <p>नियुक्ति प्राधिकारी।</p> |
| <p>7. कोई भी व्यक्ति सेवा में किसी भी पद पर तब तक नियुक्त नहीं किया जाएगा, जब तक वह सीधी भर्ती की दशा में, इन नियमों के परिशिष्ट—ख के खाना 3 में विनिर्दिष्ट तथा सीधी भर्ती से अन्यथा नियुक्ति की दशा में, पूर्वोक्त परिशिष्ट के खाना 4 में विनिर्दिष्ट योग्यताएं तथा अनुभव न रखता हो:</p> <p>परन्तु सीधी भर्ती की दशा में अनुभव संबंधी योग्यताओं में आयोग या किसी अन्य भर्ती प्राधिकरण के विवेक पर, यदि अनुसूचित जातियों, पिछड़े वर्गों, भूतपूर्व सैनिकों और शारीरिक रूप से विकलांग प्रवर्गों से सम्बन्धित अपेक्षित अनुभव रखने वाले उम्मीदवारों की पर्याप्त संख्या उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए उपलब्ध न हों, तो 50 प्रतिशत सीमा तक ढील दी जा सकेगी, ऐसा करने के लिए लिखित रूप में कारण दिए जाएंगे।</p> | <p>योग्यताएं तथा अनुभव।</p> |
| <p>8. कोई भी व्यक्ति,—</p> <p>(क) जिसने जीवित पति/पत्नी वाले व्यक्ति से विवाह कर लिया है या विवाह करने की संविदा कर ली है; या</p> <p>(ख) जिसने पति/पत्नी के जीवित होते हुए, किसी अन्य व्यक्ति से विवाह कर लिया है या विवाह करने की संविदा कर ली है,</p> <p>सेवा में किसी पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा:</p> <p>परन्तु यदि राज्य सरकार की संतुष्टि हो जाए कि ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू स्वीय विधि के अधीन ऐसा विवाह अनुज्ञेय है तथा ऐसा करने के अन्य आधार भी हैं, तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के लागू होने से छूट दे सकती है।</p> | <p>अयोग्यताएं।</p> |

| | |
|----------------|---|
| भर्ती का ढंग । | <p>9. (1) सेवा में भर्ती निम्नलिखित ढंग से की जाएगी, —</p> <p>(क) अनुभाग अधिकारी की दशा में —</p> <p>(i) किसी राज्य सरकार या भारत सरकार की सेवा में पहले से ही लगे किसी अधिकारी की स्थानांतरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा ;</p> <p>(2) सभी पदोन्नतियां जब तक अन्यथा उपबंधित न हो, ज्येष्ठता एवं योग्यता / ज्येष्ठता एवं फिटनेस के आधार पर की जाएगी और केवल ज्येष्ठता ही ऐसी पदोन्नतियों के लिए कोई अधिकार प्रदान नहीं करेगी</p> |
| परिवीक्षा । | <p>10. (1) सेवा में किसी भी पद पर नियुक्त व्यक्ति, यदि वह सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त किया गया हो, तो दो वर्ष की अवधि के लिए और यदि वह अन्यथा नियुक्त किया गया हो, तो एक वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेगा ।</p> <p>परन्तु—</p> <p>(क) ऐसी नियुक्ति के बाद, किसी अनुरूप या उच्चतर पद पर प्रतिनियुक्ति पर व्यतीत की गई कोई अवधि परिवीक्षा की अवधि में गिनी जाएगी;</p> <p>(ख) स्थानांतरण द्वारा किसी नियुक्ति की दशा में, सेवा में किसी पद पर नियुक्ति से पहले किसी समकक्ष अथवा उच्चतर पद पर किए गए कार्य की कोई अवधि नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर, इस नियम के अधीन निश्चित परिवीक्षा अवधि में गिनने की ओर अनुज्ञेय होगी ; और</p> <p>(ग) स्थानापन्न नियुक्ति की कोई अवधि परिवीक्षा पर व्यतीत की गई अवधि के रूप में गिनी जाएगी, किन्तु इस प्रकार स्थानापन्न रूप में कार्य करने वाला कोई भी व्यक्ति परिवीक्षा की विहित अवधि के पूरा होने पर, यदि वह किसी स्थायी रिक्ति पर नियुक्त न किया गया हो, तो पुष्ट किए जाने का हकदार नहीं होगा ।</p> <p>(2) यदि नियुक्ति प्राधिकारी की राय में, परिवीक्षा अवधि के दौरान किसी व्यक्ति का कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो, तो वह,—</p> <p>(क) यदि ऐसा व्यक्ति सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त किया गया हो, तो उसे उसकी सेवाओं से अलग कर सकता है ; और</p> <p>(ख) यदि ऐसा व्यक्ति सीधी भर्ती से अन्यथा नियुक्त किया गया हो, तो,—</p> <p>(i) उसे उसके पूर्व पद पर प्रतिवर्तित कर सकता है ; या</p> <p>(ii) उसके सम्बन्ध में किसी ऐसी अन्य रीति में कार्रवाई कर सकता है जो उसकी पूर्व नियुक्ति के निबन्धन तथा शर्तें अनुज्ञात करे ।</p> <p>(3) किसी व्यक्ति की परिवीक्षा अवधि पूरी होने पर, नियुक्ति प्राधिकारी,—</p> <p>(क) यदि उसकी राय में, उसका कार्य या आचरण संतोषजनक रहा हो, तो ऐसे व्यक्ति को उसकी नियुक्ति की तिथि से पुष्ट कर सकता है ।</p> <p>(ख) यदि उसका कार्य या आचरण उसकी राय में संतोषजनक न रहा हो, तो,—</p> <p>(i) यदि वह सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त किया गया हो, तो उसे उसकी सेवाओं से अलग कर सकता है, यदि अन्यथा नियुक्त किया गया हो, तो उसे उसके पूर्व पद पर प्रतिवर्तित कर सकता है या उसके सम्बन्ध में ऐसी अन्य रीति में कार्रवाई कर सकता है जो उसकी पूर्व नियुक्ति के निबन्धन तथा शर्तें अनुज्ञात करें ; या</p> <p>(ii) उसकी परिवीक्षा अवधि बढ़ा सकता है और उसके बाद ऐसे आदेश पारित कर सकता है जो वह परिवीक्षा की प्रथम अवधि की समाप्ति पर कर सकता था:</p> <p>परन्तु परिवीक्षा की कुल अवधि, जिसमें बढ़ाई गई अवधि, यदि कोई है, भी शामिल है, तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी ।</p> |
| ज्येष्ठता । | <p>11. सेवा के सदस्यों की परस्पर ज्येष्ठता, सेवा में किसी भी पद पर उनके लगातार सेवाकाल के अनुसार निश्चित की जाएगी:</p> <p>परन्तु जहां सेवा में विभिन्न संवर्ग हो, वहां ज्येष्ठता प्रत्येक संवर्ग के लिए अलग-अलग निश्चित की जाएगी:</p> |

परन्तु यह और कि सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त सदस्यों की दशा में, ज्येष्ठता नियत करते समय आयोग द्वारा निश्चित योग्यताक्रम भंग नहीं किया जाएगा:

परन्तु यह और कि एक ही तिथि को नियुक्त दो या दो से अधिक सदस्यों की दशा में उनकी ज्येष्ठता निम्नलिखित रूप से निश्चित की जाएगी—

- (क) सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त सदस्य पदोन्नति या स्थानान्तरण द्वारा नियुक्त सदस्य से ज्येष्ठ होगा;
- (ख) पदोन्नति द्वारा नियुक्त सदस्य स्थानान्तरण द्वारा नियुक्त सदस्य से ज्येष्ठ होगा;
- (ग) पदोन्नति अथवा स्थानान्तरण द्वारा नियुक्त सदस्यों की दशा में, उनकी ज्येष्ठता ऐसी नियुक्तियों में ऐसे सदस्यों की ज्येष्ठता के अनुसार निश्चित की जाएगी, जिनसे वे पदोन्नत या स्थानान्तरण किए गए थे; और
- (घ) विभिन्न संवर्गों से स्थानान्तरण द्वारा नियुक्त सदस्यों की दशा में, उनकी ज्येष्ठता वेतन के अनुसार निश्चित की जाएगी, अधिमान ऐसे सदस्यों को दिया जाएगा जो अपनी पहले की नियुक्ति में उच्चतर दर पर वेतन ले रहा था और यदि मिलने वाले वेतन की दर भी समान हो, तो उनकी नियुक्तियों में उनके सेवाकाल के अनुसार और यदि सेवाकाल भी समान हो, तो आयु में बड़ा सदस्य छोटे सदस्य से ज्येष्ठ होगा।

12. (1) सेवा का कोई भी सदस्य, नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा, हरियाणा राज्य में तथा उसके बाहर किसी भी स्थान पर, सेवा करने के लिए आदेश दिए जाने पर ऐसा करने के लिए दायी होगा।

(2) सेवा के किसी सदस्य को सेवा के लिए निम्नलिखित के अधीन भी प्रतिनियुक्त किया जा सकता है,—

- (i) कोई कम्पनी, संगम या व्यष्टि निकाय चाहे, वह निगमित हो या नहीं, जिसका पूर्ण या अधिकांश स्वामित्व या नियंत्रण राज्य सरकार के पास है, हरियाणा राज्य के भीतर एक शहरी स्थानीय निकाय या स्थानीय प्राधिकरण या विश्वविद्यालय ;
- (ii) केन्द्रीय सरकार या ऐसी कम्पनी, संगम या व्यष्टि निकाय चाहे वह निगमित हो या नहीं, जिसका पूर्ण या अधिकांश स्वामित्व या नियंत्रण केन्द्रीय सरकार के पास हो; या
- (iii) कोई अन्य राज्य सरकार, अन्तर्राष्ट्रीय संगठन, स्वायत्त निकाय, जिसका नियंत्रण सरकार के पास न हो अथवा गैर-सरकारी निकाय :

परन्तु सेवा के किसी भी सदस्य को उसकी सहमति के बिना खण्ड (ii) अथवा खण्ड (iii) में निर्दिष्ट केन्द्रीय या किसी अन्य राज्य सरकार या किसी संगठन या निकाय में सेवा करने के लिए प्रतिनियुक्त नहीं किया जाएगा।

13. (1) वेतन, छुट्टी, पेंशन तथा सभी अन्य मामलों के संबंध में, जिनका इन नियमों में स्पष्ट रूप से उपबंध नहीं किया गया है, सेवा के सदस्य हरियाणा सिविल सेवा (सामान्य) नियम, 2016, हरियाणा सिविल सेवा (वेतन) नियम, 2016, हरियाणा सिविल सेवा (यात्रा भत्ते) नियम, 2016, हरियाणा सिविल सेवा (भत्ते) नियम, 2016, हरियाणा सिविल सेवा (अवकाश) नियम, 2016, हरियाणा सिविल सेवा (सामान्य भविष्य निधि) नियम, 2016, हरियाणा सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 2016, हरियाणा सिविल सेवा (सरकारी कर्मचारी आचरण) नियम, 2016, हरियाणा सिविल सेवा (दण्ड तथा अपील) नियम, 2016 तथा ऐसे नियमों तथा विनियमों द्वारा शासित होंगे, जो सक्षम प्राधिकारी द्वारा भारत के संविधान के अधीन या राज्य विधानमण्डल द्वारा बनाई गई तथा उस समय लागू किसी विधि के अधीन अपनाये अथवा बनाए गए हों अथवा इसके बाद अपनाए या बनाये जाएं:

परन्तु हरियाणा सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 2016, सेवा के उन सदस्यों पर लागू नहीं होंगे जो प्रथम जनवरी, 2006 को या उसके बाद नियुक्त किए गए हों (मृत्यु-एवं-सेवानिवृत्ति उपदान और छुट्टी नगदीकरण को छोड़कर):

परन्तु यह और कि हरियाणा सिविल सेवा (सामान्य भविष्य निधि) नियम, 2016, प्रथम जनवरी, 2006 को या उसके बाद नियुक्त व्यक्तियों पर लागू नहीं होंगे, जो हरियाणा नई पेंशन स्कीम, 2008 के अन्तर्गत आते हैं। आगे यह स्पष्ट किया जाता है कि हरियाणा सिविल सेवा (सुनिश्चित कैरियर प्रोगेशन) नियम, 2016 या समय-समय पर सरकार द्वारा जारी किए गए इसके संशोधन, सेवा के सदस्य या सदस्यों पर लागू नहीं होंगे।

सेवा करने का दायित्व।

वेतन, छुट्टी, पेंशन तथा अन्य मामले।

| | |
|--------------------------------|---|
| अनुशासन, शास्तियां तथा अपीलें। | <p>14. (1) अनुशासन, शास्तियां तथा अपीलों से संबंधित मामलों में सेवा के सदस्य, समय-समय पर, यथा-संशोधित हरियाणा सिविल सेवा (दण्ड तथा अपील) नियम, 2016 द्वारा शासित होंगे:</p> <p>परन्तु ऐसी शास्तियों का स्वरूप, जो लगाई जा सकती हैं, ऐसी शास्तियां लगाने के लिए सशक्त प्राधिकारी तथा अपील प्राधिकारी भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के अधीन बनाई गई किसी विधि या नियमों के उपबंधों के अधीन रहते हुए वे होंगे, जो इन नियमों के परिशिष्ट ग में विनिर्दिष्ट हैं।</p> <p>(2) हरियाणा सिविल सेवा (दण्ड तथा अपील) नियम, 2016 के नियम 9 के खंड (ग) या खंड (घ) या खंड (च) के अधीन आदेश पारित करने के लिए सक्षम प्राधिकारी तथा अपील प्राधिकारी भी वह होगा, जो इन नियमों के परिशिष्ट घ में यथा विनिर्दिष्ट है।</p> <p>(3) प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त कर्मचारियों के लिए, परिशिष्ट ग तथा घ में शास्ति लगाने या आदेश पारित करने के लिए सक्षम प्राधिकारी तथा संबंधित अपीलीय प्राधिकारी, मूल विभाग के सेवा नियमों के उपबन्धों के अनुसार होंगे।</p> |
| टीका लगवाना। | 15. सेवा का प्रत्येक सदस्य स्वयं को टीका लगवायेगा तथा जब कभी सरकार किसी विशेष या साधारण आदेश द्वारा ऐसा निर्देश करे, पुनः टीका लगवाएगा। |
| राजनिष्ठा की शपथ। | 16. सेवा के प्रत्येक सदस्य से, जब तक उसने पहले ही भारत के प्रति तथा विधि द्वारा यथा स्थापित भारत के संविधान के प्रति राजनिष्ठा की शपथ न ले ली हो, ऐसा करने की अपेक्षा की जाएगी। |
| ढील देने की शक्ति। | 17. जहाँ राज्य सरकार की राय में, इन नियमों के किसी उपबंध में ढील देना आवश्यक या समीचीन हो, तो वहाँ यह लिखित में कारण लिपिवद्ध करते हुए आदेश द्वारा व्यक्तियों के किसी वर्ग या प्रवर्ग के बारे में ऐसा कर सकती है। |
| विशेष उपबंध। | 18. इन नियमों में किसी बात के होते हुए भी, नियुक्ति प्राधिकारी, यदि वह नियुक्ति आदेश में विशेष निबंधन तथा शर्तें लगाना उचित समझे, तो वह ऐसा कर सकता है। |
| आरक्षण। | <p>19. इन नियमों में दी गई कोई भी बात, भारत के संविधान के अनुच्छेद 16 के खंड (4) के अधीन राज्य सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय समय पर जारी किये गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, पिछड़े वर्गों, भूतपूर्व सैनिकों, शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों या व्यक्तियों के किसी अन्य वर्ग या प्रवर्ग को दिए जाने के लिए अपेक्षित आरक्षणों तथा अन्य रियायतों को प्रभावित नहीं करेगी</p> <p>परन्तु आरक्षण का कुल प्रतिशत किसी भी समय पचास प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।</p> |

परिशिष्ट क

(देखिए नियम 3)

| क्रम संख्या | पदनाम | पदों की संख्या | वेतनमान |
|-------------|----------------|----------------|-------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1 | अनुभाग अधिकारी | 4 | अपने वेतनमान में। |

परिशिष्ट ख

(देखिए नियम-7)

| क्रम संख्या | पदनाम | सीधी भर्ती द्वारा नियुक्ति के लिए शैक्षणिक योग्यता और अनुभव, यदि कोई हो | सीधी भर्ती से अन्यथा नियुक्ति के लिए शैक्षणिक योग्यताएं तथा अनुभव यदि कोई हो |
|-------------|----------------|---|--|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1 | अनुभाग अधिकारी | ... | स्थानांतरण / प्रतिनियुक्ति द्वारा: हरियाणा सरकार के वित्त विभाग के राज्य लेखा सेवा संवर्ग से संबंधित अनुभाग अधिकारियों में से, या हरियाणा राज्य के बोर्ड / कॉर्पोरेशन्स / निगमों और अन्य सरकारी उपक्रमों में समकक्ष संवर्गों में अनुरूप पद धारण करने वाला व्यक्ति प्रतिनियुक्ति द्वारा । |

परिशिष्ट-ग

(देखिए नियम-14 (1))

| क्रम संख्या | पदनाम | नियुक्त प्राधिकारी | शास्ति का स्वरूप | शास्ति लगाने के लिए सशक्त प्राधिकारी | अपीलीय प्राधिकारी |
|-------------|----------------|--------------------|--|--|--|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1 | अनुभाग अधिकारी | प्रतिनियुक्ति पर | <p>(i) छोटी शास्तियां:- हरियाणा सिविल सेवा (दंड तथा अपील) नियम, 2016 में यथा विहित।</p> <p>(ii) बड़ी शास्तियां:- हरियाणा सिविल सेवा (दंड तथा अपील) नियम, 2016 में यथा विहित।</p> | मूल विभाग के सेवा नियमों के उपबन्धों के अनुसार | मूल विभाग के सेवा नियमों के उपबन्धों के अनुसार |

परिशिष्ट-घ

(देखिए नियम-14 (2))

| क्रम संख्या | पदनाम | आदेश का स्वरूप | आदेश जारी करने के लिए सक्षम प्राधिकारी | अपीलीय प्राधिकारी |
|-------------|----------------|--|--|--|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1 | अनुभाग अधिकारी | (i) पेंशन को शासित करने वाले नियमों के अधीन अनुज्ञेय पेंशन की राशि में कमी करना या रोकना ; (ii) सेवा की समाप्ति; तथा (iii) सेवा के सदस्य की अधिवर्षिता की आयु पूरी होने से पूर्व लोकहित में समय पूर्व सेवानिवृत्ति | प्रतिनियुक्ति पर | मूल विभाग के सेवा नियमों के उपबन्धों के अनुसार |

वी० उमाशंकर,
अपर मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,
नागरिक संसाधन सूचना विभाग।

HARYANA GOVERNMENT**CITIZEN RESOURCES INFORMATION DEPARTMENT****Notification**

The 21st August, 2024

No. 2/6/2024-1CRID.— In exercise of the powers conferred under Section 45 of the Haryana Parivar Pehchan Act, 2021 read with sub-sections (1) and (2) of section 16 of the Haryana Parivar Pehchan Act, 2021(20 of 2021), the Governor of Haryana hereby makes the following rules regulating the recruitment and conditions of service of persons appointed to the Haryana Parivar Pehchan Authority (Group C) Service, namely:-

Part I General

| | |
|---|--|
| 1. (1) These rules may be called the Haryana Parivar Pehchan Authority (Group C) Service Rules, 2024. | Short title and commencement. |
| (2) They shall come into force from the date of their publication in the official Gazette. | |
| 2. (1) In these rules, unless the context otherwise requires,- <ul style="list-style-type: none"> (a) “Act” means the Haryana Parivar Pehchan Act, 2021 (20 of 2021); (b) “Appendix” means the Appendices appended to these rules; (c) “Commission” means the Haryana Public Service Commission; (d) “direct recruitment” means an appointment made otherwise than by promotion from within the Service or by transfer/deputation of an officer already in the service of the Government of India or any State Government; (e) “institution” means, - <ul style="list-style-type: none"> (i) any institution established by law in force in the State of Haryana; or (ii) any other institution recognized by the Government of India or any State Government for the purposes of these rules; (f) “recognized university” means, - <ul style="list-style-type: none"> (i) any university incorporated by law in India; or (ii) any other university which is declared by the Government of India or any State Government to be a recognized university for the purposes of these rules; (g) “Service” means the Haryana Parivar Pehchan Authority (Group C) Service. (2) Words and expressions used but not defined in these rules, shall have the same meanings respectively assigned to them in the Act. | Definitions. |
| Part II Recruitment to Service | |
| 3. The Service shall comprise the posts shown in Appendix A to these rules: Provided that nothing in these rules shall affect the inherent right of the State Government to make additions to or reductions in the number of such posts or to create new regular posts with different designations and scales of pay. | Number and character of posts. |
| 4. (1) No person shall be appointed to any post in the Service, unless he is- <ul style="list-style-type: none"> (a) a citizen of India; or (b) a subject of Nepal; or (c) a subject of Bhutan: Provided that a person belonging to any of the categories (b) or (c) shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been given by the Government of India. | Nationality, domicile and character of persons appointed to service. |

| | |
|--|--|
| <p>Age.</p> <p>Appointing authority.</p> <p>Qualifications and experience.</p> <p>Disqualifications.</p> <p>Method of recruitment.</p> <p>Probation.</p> | <p>(2) A person in whose case a certificate of eligibility is necessary, may be admitted to an examination or interview, conducted by the Commission or any other recruiting agency but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.</p> <p>(3) No person shall be appointed to any post in the Service by direct recruitment, unless he produces a certificate of the character from the Principal, Academic Officer of the university, college, school or institution, last attended, if any, and similar certificate from two other responsible persons, not being his relatives, who are well acquainted with him in his private life and are unconnected with the university, college, school or institution.</p> <p>5. No person shall be appointed to any post in the Service by direct recruitment who is less than eighteen years or more than forty-two years of age, on the last date of submission of application to the Commission.</p> <p>Provided that a relaxation in upper age limit shall be admissible to the persons of various categories as may be prescribed by the Government from time to time.</p> <p>6. All appointments to the posts in the Service shall be made by the Chief Executive Officer.</p> <p>7. No person shall be appointed to any post in the Service, unless he is in the possession of qualifications and experience specified in column 3 of Appendix B to these rules in the case of direct recruitment and those specified in column 4 of the aforesaid Appendix in the case of appointment other than by direct recruitment.</p> <p>Provided that in case of direct recruitment, the qualifications regarding experience shall be relaxable to the extent of 50% at the discretion of the Commission or any other recruiting authority in case sufficient number of candidates belonging to Scheduled Castes, Backward Classes, Ex-serviceman and Physical Handicapped categories, possessing the requisite experience, are not available to fill up the vacancies reserved for them, after recording reasons for so doing in writing.</p> <p>8. No person,-</p> <p>(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or</p> <p>(b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to any post in the Service:</p> <p>Provided that the State Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.</p> <p>9. (1) Recruitment to the Service shall be made,-</p> <p>(a) in the case of Section Officer-</p> <p>(i) by transfer or deputation of an official already in the Service of any State Government or Government of India;</p> <p>(2) All promotions unless otherwise provided, shall be made on seniority-cum-merit/seniority-cum-fitness basis and seniority alone shall not give any right to such promotions.</p> <p>10. (1) Persons appointed to any post in the Service shall remain on probation for a period of two years, if appointed by direct recruitment and one year, if appointed otherwise:</p> <p>Provided that-</p> <p>(a) any period after such appointment spent on deputation on a corresponding or a higher post shall be counted towards the period of probation;</p> <p>(b) any period of work in equivalent or higher rank, prior to appointment to the Service may, in the case of an appointment by transfer, at the discretion of the appointing authority, be allowed to count towards the period of probation fixed under this rule; and</p> <p>(c) any period of officiating appointment shall be reckoned as period spent on probation, but no person who has so officiated shall, on the completion of the prescribed period of probation, be entitled to be confirmed, unless he is appointed against a regular vacancy.</p> |
|--|--|

| | |
|--|-----------------------|
| <p>(2) If, in the opinion of the appointing authority, the work or conduct of a person during the period of probation is not satisfactory, it may,-</p> <p>(a) if such person is appointed by direct recruitment, dispense with his services; and</p> <p>(b) if such person is appointed otherwise than by direct recruitment,-</p> <p>(i) revert him to his former post; or</p> <p>(ii) deal with him in such other manner, as the terms and conditions of his previous appointment permit.</p> <p>(3) On the completion of the period of probation of a person, the appointing authority may,-</p> <p>(a) if his work or conduct has, in its opinion been satisfactory, confirm such person from the date of his appointment against the vacancy; or</p> <p>(b) if his work or conduct has, in its opinion, been not satisfactory-</p> <p>(i) dispense with his services, if appointed by direct recruitment, and if appointed otherwise, revert him to his former post or deal with him in such other manner, as the terms and conditions of his previous appointment permit; or</p> <p>(ii) extend his period of probation and thereafter pass such orders, as it could have passed on the expiry of the first period of probation:</p> <p>Provided that the total period of probation, including extension, if any, shall not exceed three years.</p> | |
| <p>11. Seniority, inter se of the members of the Service shall be determined by the length of continuous service on any post in the Service:</p> <p>Provided that where there are different cadres in the Service, the seniority shall be determined separately for each cadre:</p> <p>Provided further that in the case of members appointed by direct recruitment, the order of merit determined by the Commission shall not be disturbed in fixing the seniority:</p> <p>Provided further that in the case of two or more members appointed on the same date, their seniority shall be determined as follows:-</p> <p>(a) a member appointed by direct recruitment shall be senior to a member appointed by promotion or by transfer;</p> <p>(b) a member appointed by promotion shall be senior to a member appointed by transfer;</p> <p>(c) in the case of member appointed by promotion or by transfer, seniority shall be determined according to the seniority of such members in the appointments from which they were promoted or transferred; and</p> <p>(d) in the case of member appointed by transfer from different cadres, their seniority shall be determined according to pay, preference being given to a member, who was drawing a higher rate of pay in his previous appointment; and if the rates of pay drawn are also the same, then by the length of their service in the appointments, and if the length of such service is also the same, the older member shall be senior to the younger member.</p> | Seniority. |
| <p>12. (1) A member of the Service shall be liable to serve at any place, whether within or outside the State of Haryana, on being ordered so to do by the appointing authority.</p> <p>(2) A member of Service may also be deputed to serve under-</p> <p>(i) a company, an association or a body of individuals, whether incorporated or not, which is wholly or substantially owned or controlled by the State Government, an Urban Local Body or a local authority or university within the State of Haryana;</p> <p>(ii) the Central Government or a company, an association or a body of individuals, whether incorporated or not, which is wholly or substantially owned or controlled by the Central Government; or</p> <p>(iii) any other State Government, an international organisation, an autonomous body not controlled by the Government, or a private body:</p> | Liability to Service. |

| | |
|--|---|
| Pay, leave, pension and other matters. | <p>Provided that no member of the Service shall be deputed to serve the Central or any other State Government or any organisation or body referred to in clause (ii) or clause (iii) except with his consent.</p> <p>13. (1) In respect of pay, leave, pension and all other matters, not expressly provided for in these rules, the member of the Service shall be governed by the Haryana Civil Services (General) Rules, 2016, the Haryana Civil Services (Pay) Rules, 2016, the Haryana Civil Services (Travelling Allowance) Rules, 2016, the Haryana Civil Services (Allowances) Rules, 2016, the Haryana Civil Services (Leave) Rules, 2016, the Haryana Civil Services (General Provident Fund) Rules, 2016, the Haryana Civil Services (Pension) Rules, 2016, the Haryana Civil Services (Government Employees' Conduct) Rules, 2016, the Haryana Civil Services (Punishment and Appeal) Rules, 2016 and by such rules and regulations as may have been or may hereafter be, adopted or made by the competent authority under the Constitution of India or under any law for the time being in force made by the State Legislature:</p> <p>Provided that the Haryana Civil Services (Pension) Rules, 2016 shall not be applicable to those member of service who are appointed on or after the 1st January, 2006 (except death-cum-retirement gratuity and leave encashment):</p> <p>Provided further that the Haryana Civil Services (General Provident Fund) Rules, 2016 shall not be applicable to persons appointed on or after 1st January, 2006 who are covered under the Haryana New Pension Scheme, 2008.</p> |
| Discipline, penalties and appeals. | <p>14. (1) In matter relating to discipline, penalties and appeals, member of the Service shall be governed by the Haryana Civil Services (Punishment and Appeal) Rules, 2016, as amended from time to time:</p> <p>Provided that the nature of penalties which may be imposed, the authority empowered to impose such penalties and appellate authority shall, subject to the provisions of any law or rules made under article 309 of the Constitution of India, be such as are specified in Appendix C to these rules.</p> <p>(2) The authority competent to pass an order under clause (c) or clause (d) or clause (f) of rule 9 of the Haryana Civil Services (Punishment and Appeal) Rules, 2016 and the appellate authority shall be such as specified in Appendix D to these rules.</p> <p>(3) For the employees appointed on deputation, the authority competent to impose penalties or pass orders and the respective appellate authorities in Appendix C and Appendix D shall be as per the provisions of the Service Rules of parent department.</p> |
| Vaccination. | <p>15. Every member of the Service shall get himself vaccinated or vaccinated as and when the Government directs by a special or general order.</p> |
| Oath of allegiance. | <p>16. Every member of the Service, unless he has already done so, shall be required to take the oath of allegiance to India and to the Constitution of India, as established by law.</p> |
| Power of relaxation. | <p>17. Where the State Government is of the opinion that it is necessary or expedient to do so, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.</p> |
| Special Provisions. | <p>18. Notwithstanding anything contained in these rules, the appointing authority may impose special terms and conditions in the order of appointment if it is deemed expedient to do so.</p> |
| Reservations. | <p>19. Nothing contained in these rules shall affect the reservation and other concession required to be provided for Scheduled Castes, Backward Classes, Ex-Servicemen, physically handicapped persons or any other class or category of persons in accordance with the order issued by the State Government in this regard from time to time under clause (4) of article 16 of the Constitution of India:</p> <p>Provided that the total percentage of reservations be made shall not exceed fifty percent, at any time.</p> |

APPENDIX A

(see rule 3)

| Sr. No. | Designation of post | Number of posts | Scales of pay |
|---------|---------------------|-----------------|-----------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1 | Section Officer | 4 | “Own Pay Scale” |

APPENDIX B*(see rule 7)*

| Sr. No. | Designation of post | Academic qualification and experience, if any, for appointment by direct recruitment | Academic qualification and experience, if any, for appointment other than direct recruitment |
|----------------|----------------------------|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. | Section Officer | - | By transfer/ deputation: By deputation amongst Section Officers belonging to the SAS cadre of the Finance Department of the Government of Haryana Or; from the equivalent cadre from Board/Corporations/ Nigams and other State Govt. undertakings |

APPENDIX C*[see rule 14 (1)]*

| Sr. No. | Designation of post | Appointing authority | Nature of penalty | Authority empowered impose penalty | Appellate authority |
|----------------|----------------------------|-----------------------------|--|--|--|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1 | Section Officer | On Deputation | <p>(i) Minor Penalties-</p> <p>As prescribed in the Haryana Civil Services (Punishment and Appeal) Rules, 2016</p> <p>(ii) Major Penalties-</p> <p>As prescribed in the Haryana Civil Services (Punishment and Appeal) Rules, 2016</p> | As per the provisions of Service Rules of parent department. | As per the provisions of Service Rules of parent department. |

APPENDIX D*[see rule 14 (2)]*

| Sr. No. | Designation of post | Nature of order | Authority empowered to make the order | Appellate authority |
|----------------|----------------------------|--|--|--|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1 | Section Officer | <p>(i) reducing or withholding the amount of pension admissible under the rules governing pension;</p> <p>(ii) terminating of service;</p> <p>(iii) premature retirement from service in public interest before attaining the age of superannuation.</p> | On deputation | As per the provisions of Service Rules of parent department. |

V. UMASHANKAR,
 Additional Chief Secretary to Government Haryana,
 Citizen Resources Information Department.